University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

100 Years 1920-2020

University in News on 21 May 2021

AMAR UJALA MY CITY PAGE 1

प्रो. आलोक राय बने संपूर्णानंद संस्कृत विवि के कार्यवाहक कुलपति

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के कार्यवाहक बनाए गए हैं। बृहस्पतिवार को कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने इसका आदेश भी जारी कर दिया। इसमें कहा गया है कि वर्तमान में नियमित कुलपति की नियुक्ति में और समय लगने की संभावना है। ऐसे में नियमित कुलपति की नियुक्ति होने या अग्रिम आदेश तक प्रो. आलोक कुमार राय अपने वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति पद के दायित्वों का भी निर्वहन करेंगे। प्रो. आलोक कुमार संस्कृत विश्वविद्यालय में 23 या 24 मई को कार्यभार ग्रहण सकते हैं। संस्कृत विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति प्रो. राजाराम शुक्ल का तीन वर्षों का कार्यकाल 23 मई को पूरा हो रहा है। अध्यापकों का मानना था कि प्रो. राजाराम शुक्ल का कार्यकाल तीन माह के लिए बढ़ सकता है। करीब एक साल तक कोरोना संकट रहा। इसके बावजूद उन्होंने तीन साल में विश्वविद्यालय के उत्थान के लिए बेहतर कार्य किए। (इनपुट : वाराणसी ब्यूरो)

प्रो. आलोक राय।

NBT PAGE 5

यूजी में 50, पीजी में 60 फीसदी विद्यार्थी रहे हाजिर

■ एनबीटी, लखनऊ: कोरोना की दूसरी लहर में राजधानी को कुछ राहत मिली तो गुरुवार से एलयू में ऑनलाइन कक्षाएं फिर से शुरू हुईं। हालांकि, स्नातक में सिर्फ 50 फीसदी तो स्नातकोत्तर में 60 प्रतिशत विद्यार्थियों ने ऑनलाइन कक्षाओं में शिरकत की।

विज्ञान विभागों में स्नातकोत्तर स्तर पर उपस्थिति प्रतिशत सबसे बेहतर रहा। जैव रसायन और जैव प्रौद्योगिकी, सांख्यिकी और वनस्पति विज्ञान जैसे एमएससी विषयों में उपस्थिति 80 फीसदी से अधिक थी। रसायन विज्ञान, गणित, खगोल विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान में 70 फीसदी से अधिक विद्यार्थियों ने पढ़ाई की। जबकि प्राणी विज्ञान, भूविज्ञान और भौतिकी विज्ञान विभागों में 50 फीसदी से अधिक उपस्थिति थी। हालांकि, एमकॉम (अप्लाइड इकॉनमिक्स) में महज 35 फीसदी छात्र वाणिज्य से थे, व्यवसाय प्रशासन विभाग और अर्थशास्त्र में उपस्थिति 50 फीसदी से अधिक रही। वहीं, परास्नातक स्तर पर कला संकाय में ऑनलाइन विद्यार्थियों उपस्थिति भी वाणिज्य की तरह ही कम थी, इसमें कुछ पीजी विषयों जैसे गृह विज्ञान और रक्षा अध्ययन में उपस्थिति 20 से 25 फीसदी ही रही। इतिहास और अन्य विषयों में 50 प्रतिशत छात्रों ने पढ़ाई की।

i-NEXT PAGE 2, 3

ऑनलाइन क्लास में 50 फीसद छात्र

LUCKNOW (20 May): लखनऊ विश्वविद्यालय व संबद्ध महाविद्यालयों में गुरुवार से एक बार फिर आनलाइन पढ़ाई शुरू हो गई. पहले दिन विद्यार्थियों की संख्या कम रही. सुबह 10 बजे से कक्षाएं दोपहर बाद तक चलती रहीं. लखनऊ विवि में स्नातक स्तर की कक्षाओं में 40 से 50 फीसद तक उपस्थिति रही तो परास्नातक में 60 से 70 फीसद विद्यार्थियों ने आनलाइन कक्षाओं में हिस्सा लिया. लखनऊ विवि के प्रवक्ता दुर्गेश ने बताया कि परास्नातक के चार विभागों में करीब 80 फीसद विद्यार्थी शामिल हुए, नवयुग कन्या महाविद्यालय में छात्राएं सुबह से ही मोबाइल फोन व लैपटॉप से जुड़ गईं थीं. सरकार ने विश्वविद्यालयों और उनसे संबद्ध कालेजों को आनलाइन कक्षाएं संचालित करने का आदेश दिया था. पिछले आदेश में किसी भी प्रकार की आनलाइन कक्षाएं चलाने पर भी रोक लगा दी गई थी. लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने विभिन्न कोर्सों में एडमिशन को लेकर आनलाइन व्यवस्था को आगे बढ़ाते हुए उनकी तिथियों को एक महीने आगे करने का निर्णय लिया है.

एलयू वीसी को एडिशनल चार्ज

लखनऊ यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. आलोक कुमार राय को वाराणसी संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय का अतिरिक्त चार्ज दिया गया है. वह बतौर वाइस चांसलर कार्यभार अतिरिक्त कार्यभार देखेंगे. अतिरिक्त कार्यभार मिलने पर वीसी आलोक कुमार राय ने कहा है कि गंभीरता पूर्वक जिम्मेदारी का भी निर्वहन किया जाएगा.

DAINIK JAGRAN PAGE 5

आनलाइन कक्षाओं में लविवि के 50 फीसद विद्यार्थी शामिल

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय व संबद्ध महाविद्यालयों में गुरुवार से एक बार फिर आनलाइन पढ़ाई शुरू हो गई।

पहले दिन विद्यार्थियों की संख्या कम रही। सुबह 10 बजे से कक्षाएं दोपहर बाद तक चलती रहीं। लखनऊ विवि में स्नातक स्तर की कक्षाओं में 40 से 50 फीसद तक उपस्थिति रही तो परास्नातक में 60 से 70 फीसद विद्यार्थियों ने आनलाइन कक्षाओं में हिस्सा लिया। लखनऊ विवि के प्रवक्ता दुर्गेश ने बताया कि परास्नातक के चार विभागों में करीब 80 फीसद विद्यार्थी शामिल हुए। नवयुग कन्या महाविद्यालय में छात्राएं सुबह से ही मोबाइल फोन व लैपटॉप से जुड़ गईं थीं। सरकार ने संबद्ध कालेजों को आनलाइन कक्षाएं संचालित करने का आदेश दिया था। पिछले आदेश में कक्षाएं चलाने पर भी रोक लगा दी गई थी। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने विभिन्न कोर्सों में एडमिशन को लेकर आनलाइन व्यवस्था को आगे बढ़ाते हुए उनकी तिथियों को एक महीने आगे करने का निर्णय लिया है।

विश्वविद्यालय और संबद्ध कालेजों में आनलाइन पढ़ाई शुरू, परास्नातक में 60 से 70 फीसद रही उपस्थिति

AMRIT VICHAR PAGE 2, 3

लविवि कुलपति को मिला संपूर्णानंद संस्कृत विवि का अतिरिक्त प्रभार

लखनऊ। कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। गुरुवार को जारी आदेश में लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को नियमित कुलपति की नियुक्त होने तक अथवा अग्रिम आदेशों तक, जो अपने वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति पद के दायित्व का निर्वहन करने के लिए नियुक्त किया है। बता दें कि, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विवि के वर्तमान कुलपति प्रो. राजाराम शुक्ल का कार्यकाल 23 मई को समाप्त हो रहा है। इसके अतिरिक्त कुलाधिपति ने सिद्धार्थ विवि, कपिलवस्तु, के नियमित कुलपति की नियुक्त में कुछ समय लगने के कारण वर्तमान कुलपति प्रो. सुरेन्द्र दुबे का कार्यकाल नियमित कुलपति की नियुक्त होने तक अथवा अग्रिम आदेशों तक, जो भी पहले हो, विस्तारित किया है।

पचास फीसदी कर्मचारियों के साथ लविवि खुला, हुई आनलाइन क्लास

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय व सहयुक्त महाविद्यालय के शिक्षक घर से ही ऑनलाइन क्लास गुरूवार से शुरू हुई। लविवि कुलपति प्रो. एके राय के निर्देश पर विवि व कालेज में ऑनलाइन पढ़ाई शुरू हो गई है। साथ ही कालेजों में प्राचार्य और विवि परिसर में विभागाध्यक्ष व संकायाध्यक्ष मौजूद रहें। उन्होंने प्रशासनिक कार्यों को निपटाया। साथ ही शिक्षकों को आवश्यकता के अनुसार कालेज व विश्वविद्यालय में बुलाया जायेगा। विवि व कालेज में कार्यरत समूह ख, ग व घ के कर्मचारियों का रोस्टर के अनुार बुलाया गया। इसके अलावा यदि किसी छात्र व छात्रा को कोविड-19 आदि को दिक्कत हो तो उसकी ऑनलाइन क्लास व छुट्टी का निर्णय संबंधित शिक्षक द्वारा लिया जाएगा।

VoL PAGE 2

प्रो. आलोक कुमार को सम्पूर्णानन्द संस्कृत विवि का अतिरिक्त प्रभार

लखनऊ। राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। गुरुवार को जारी एक आदेश में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को नियमित कुलपति की नियुक्त होने तक अथवा अग्रिम आदेशों तक, जो भी पहले हो, अपने वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी के कुलपति पद के दायित्व का निर्वहन करने के लिये नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी के वर्तमान कुलपति प्रो. राजाराम शुक्ला का कार्यकाल 23 मई को समाप्त हो रहा है। इसके अतिरिक्त राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर के नियमित कुलपति की नियुक्त में कुछ समय लगने के कारण वर्तमान कुलपति प्रो. सुरेन्द्र दुबे का कार्यकाल नियमित कुलपति की नियुक्त होने तक अथवा अग्रिम आदेशों तक, जो भी पहले हो, विस्तारित किया है। ज्ञातव्य है कि कुलपति प्रो. सुरेन्द्र दुबे का कार्यकाल 21 मई को समाप्त हो रहा है।

THE PIONEER PAGE 3

URAP: LU ranks 44th among 179 institutions

PNS ■ LUCKNOW

The University of Lucknow has been ranked by another international agency, University Ranking by Academic Performance (URAP). Lucknow University spokesperson Durgesh Srivastava said that out of the 179 institutions of India on the list, LU is at 44th position. LU is among the two state universities on the list.

"If we consider all the technical institutions, we are at 89th position (considering all institutions like IIT, CSIR etc); with a overall world ranking of 2,123," he said.

He said URAP is a university ranking developed by the Informatics Institute of Middle East Technical University.

"Since 2010, it has been publishing annual national and global college and university rankings for top institutions. URAP has been deciding the rankings of the institutions only taking care of academic performance. The scientometrics measurement of URAP is based on data obtained from the Institute for Scientific Information via Web of Science and InCites. For global rankings, URAP employs indicators of research performance, including the number of articles, citations, total documents, article impact total, citation impact total, and international collaboration," he said.

URAP gathers data from international bibliometric databases such as Web of Science and InCites provided by the Institute for Scientific Information. URAP uses six main indicators to measure the academic performance. These indicators are number of articles, citation, total documents, article impact total, citation impact total, and international collaboration. However, the number of articles, citations is given highest weightage in the calculation of rankings.

PIONEER PAGE 3

लविवि कुलपति प्रो. आलोक राय को मिला सम्पूर्णानन्द संस्कृत विवि का अतिरिक्त प्रभार

लखनऊ। राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने लविवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय को सम्पूर्णानन्द संस्कृत विवि वाराणसी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। आलोक कुमार राय को नियमित कुलपति की नियुक्त होने तक अथवा अग्रिम आदेशों तक, जो भी पहले हो अपने वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ कुलपति पद के दायित्व का निर्वहन करने के लिए नियुक्त किया है। सम्पूर्णानन्द संस्कृत विवि वाराणसी के वर्तमान कुलपति प्रो राजाराम शुक्ल का कार्यकाल 23 मई को समाप्त हो रहा है। इसके अतिरिक्त राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने सिद्धार्थ विवि कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर के नियमित कुलपति की नियुक्त में कुछ समय लगने के कारण वर्तमान कुलपति प्रो सुरेन्द्र दुबे का कार्यकाल नियमित कुलपति की नियुक्त होने तक अथवा अग्रिम आदेशों तक, जो भी पहले हो, विस्तारित किया है। कुलपति प्रो सुरेन्द्र दुबे का कार्यकाल 21 मई को समाप्त हो रहा है।

TOI PAGE 2

Prof Rai given addl charge of SSU V-C

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai was given additional charge of vice-chancellor, Sampurnanand Sanskrit University (SSU), Varanasi, by Governor Anandiben Patel, who is chancellor of all state universities, on Thursday.

Prof Rai will hold charge of SSU vice-chancellor till the appointment of a new vice-chancellor or until next direction of the chancellor, whichever is earlier.

The tenure of present SSU vice-chancellor Prof Rajaram Shukla is till May 23.

According to a statement issued by Raj Bhawan, the governor has also extended the tenure of VC of Siddhartha University, Kapilvastu, Siddharthanagar, Prof Surendra Dubey till the appointment of a new incumbent.

SWATANTRA BHARAT PAGE 3

कुलाधिपति ने कुलपति को सौंपा सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय का अतिरिक्त प्रभार

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। गुरूवार को जारी एक आदेश में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को नियमित कुलपति की नियुक्त होने तक अथवा अग्रिम आदेशों तक, जो भी पहले हो, अपने वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के कुलपति पद के दायित्व का निर्वहन करने हेतु नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के वर्तमान कुलपति प्रो. राजाराम शुक्ल का कार्यकाल 23 मई, 2021 को समाप्त हो रहा है। इसके अतिरिक्त राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर के नियमित कुलपति की नियुक्त में कुछ समय लगने के कारण वर्तमान कुलपति प्रो. सुरेन्द्र दुबे का कार्यकाल नियमित कुलपति की नियुक्त होने तक अथवा अग्रिम आदेशों तक, जो भी पहले हो, विस्तारित किया है।

TOI PAGE 2

Online classes resume, witness low attendance

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Online classes resumed on Thursday in Lucknow University but only 50% of undergraduate students and 60% of postgraduate students attended. The university has been closed for the last 10 days following orders of the state government directing closure of all academic institutes due to rise in Covid-19 cases.

The attendance in postgraduate classes of science departments was good, but was low in commerce and arts.

There was 80% and above attendance in MSc Biochemistry and Biotechnology, statistics and Botany, and above 70% in chemistry, mathematics and astronomy, computer science. The postgraduate classes of zoology, geology and physics saw over 50% attendance.

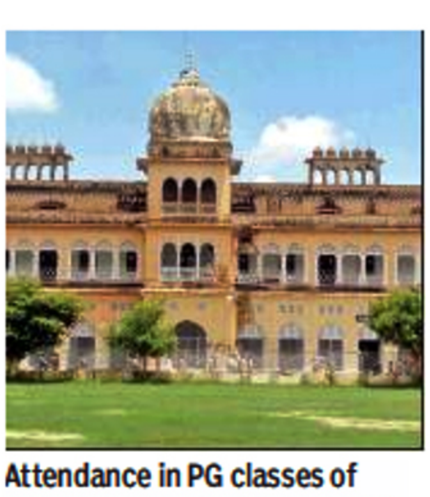

Attendance in PG classes of science departments was good, but not in commerce and arts

However, in commerce departments, the number of PG students attending online classes was low with just 35% of students attending MCom (Applied Economics) class, however in business administration and economics the attendance was above 50%.

In arts faculty, the postgraduate course attendance was 50% in political science, social work, psychology, medieval Indian history, but was just 20%-25% in home science and defence studies.

At the undergraduate level, the attendance was much lower as compared to PG with only science departments recording attendance of around 50 % in BSc Botany, Chemistry, computer science, while attendance in BCom and BA subjects like psychology, home science, Arabic and Sanskrit was around 34%-40%.

"It was the first day of online classes so the attendance was low in some subjects. It will gradually improve. In offline classes also, we have around 50% attendance at the undergraduate level and 60% at PG level," said an LU official.